

## रात को श्याम सपनों में आया

रात को श्याम सपनों में आया कैसे कह दूँ कि आया नहीं है,  
आकर उसने गले से लगाया कैसे कह दूँ लगाया नहीं है.....

सिर पर मोर मुकुट था उसके, गले में मोतियों की माला,  
आंख में उसने काजल लगाया कैसे कह दूँ लगाया नहीं है,  
रात को श्याम सपनों में आया.....

हाथ में बांसुरी थी उसके, मोहनी सुर बने थे उसके,  
उसने सारे जगत को नचाया कैसे कह दूँ नचाया नहीं है,  
रात को श्याम सपनों में आया.....

देखकर आंसू मेरे नयन के फिर बोला है नटखट वह मुझसे,  
मैं सदा तेरे दिल में समाया कैसे कह दूँ समाया नहीं है,  
रात को श्याम सपनों में आया.....

पास आकर के बैठा है मेरे मैंने सांवली सूरत को देखा,  
उसने रूप चतुर्भुज दिखाया कैसे कह दूँ दिखाया नहीं है,  
रात को श्याम सपनों में आया.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27296/title/raat-ko-shyam-sapno-me-aaya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |